सही बातें
कर्तव्य

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें
कर्तव्य

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222
जबलपुर : 98276-07171
इन्दौर : 98260-10104
इन्दौर : 94253-16840
भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण
डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर
मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात–सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
कर्तव्य

मूर्खों से
समझदारी की अपेक्षा करना
मूर्खता ही है,
इसलिये
मूर्खों से दूरी रखें
और
किसी भी काम की
अपेक्षा न करें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कभी भी किसी का भी
मज़ाक नहीं उड़ाना चाहिये
न ही किसी को
नीचा दिखाना चाहिये,
क्योंकि
समय बदलते
समय नहीं लगता ;
परिस्थितियाँ बदलते
समय नहीं लगता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

प्रकृति की
प्रत्येक क्रिया
प्रत्येक वस्तु
सही है,
व्यवस्थित है,
चाहे वह
बड़े पेड़ पर बेर हो,
या फिर
ज़मीन पर उगते कद्दू...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

सज्जनों को
दुर्जनों की संगति
दुर्जनों का सहवास
शीघ्र ही छोड़ देना चाहिये,
क्योंकि
नदी का मीठा जल भी
समुद्र के संसर्ग से
खारा हो ही जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

विवादित
और
सांप्रदायिक प्रश्नों का उत्तर
शीघ्र न दें,
क्योंकि
ऐसे प्रश्नों का उत्तर
आपके जीवन में
प्रश्न चिह्न खड़ा कर सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अगर कोई आपसे
किसी चीज़ का
किसी काम का आग्रह करे,
तो उसके अभिप्राय को समझे बिना
न तो कोई चीज़ दें
न ही उसका काम करें ;
उसके अभिप्राय में
आपका फायदा-नुकसान
अंतर्निहित है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी भी
असुंदर व्यक्ति से
उसके रूप से संबंधित मज़ाक
सोच समझकर ही करें,
अगर वो सहन कर गया
तब तो ठीक है,
अगर सहन नहीं कर पाया
तो उसे असहनीय पीड़ा होगी ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जब कोई आपको
हीन स्वीकारे
आपकी कीमत न समझे,
तो आप उनसे
प्रभावित न हों,
और हो सके तो
ऐसे लोगों से दूरी बनायें;
ऐसे लोग स्वयं हीन हैं
और
अभी उन्होंने
आपका सही मूल्यांकन नहीं किया ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कम समय में
अच्छा काम करने की
सबसे अच्छी तरकीब है,
वह जैसे ही
आपके दिमाग में आये
उसे कर डालो,
समय निकलने पर
अच्छे-अच्छे प्रयास भी
निष्फल हो जाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जिसने अपने जीवन में
सहना सीख लिया,
समझिये
उसने जीने की
कला सीख ली...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

विवाद
कार्य को करने में नहीं,
विवाद
कार्य को पूछने में होता है,
कार्य करने के बाद तो
लोगों की प्रतिक्रिया होती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

बड़े लोगों का
यह कर्तव्य है कि
वे अपने से छोटों को
प्रोत्साहित करें,
और
स्वयं पीछे हटकर
उन्हें आगे आने का मौका दें,
ताकि
अच्छे लोगों का स्थान
अच्छे लोगों को मिल सके...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी भी बात को
पहले आप स्वयं समझें
फिर उसे समझायें,
समझे बिना
अगर आप समझायेंगे
तो लोग आपको ही समझा देंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जीवन का कोई भी फैसला
आप बहुत सोच-समझकर लें,
क्योंकि
हमारे द्वारा लिये गये फैसले
हमारी सोच
और
हमारे व्यवहार को बतलाते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी भी
बड़ी सफलता के बाद
सबसे पहला धन्यवाद,
उन्हें ही दें
जिन्होंने आपके काम में
बाधा उत्पन्न नहीं की ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कुछ लोग नारियों को
विलास का साधन मानते हैं,
ऐसे लोगों का
विकास संभव नहीं है ;
अपितु
उनके विनाश को
कोई रोक नहीं सकता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपके प्रत्येक फैसले
नीतिपूर्ण
और
न्यायसंगत होना चाहिये,
क्योंकि
न्याय और नीति रहित
सारे फैसले
गलत रास्ते पर ले जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जो लोग
सच कहना जानते हैं,
वे लोग सच सुन पायें
यह जरूरी नहीं,
सच कहना अलग बात है
और
सच सुनना अलग बात है;
ध्यान रखें
सच्चाई सुनना
हर किसी के बस की बात नहीं है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

हमारे साथ
जो अच्छा-बुरा होता है,
वह सब
अच्छे के लिये ही होता है,
बुरा वक्त आपको
सहनशीलता सिखाता है
और
अच्छा वक्त
साहस सिखाता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

परेशानियों के आने पर
समय को दोष मत दीजिये,
परेशानियाँ
समय के कारण नहीं,
आपके ही कारण आयी हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कई बार
गलत निर्णय के कारण
सही लोगों से भी
गलत काम हो जाते हैं,
पर
गलती स्वीकारने पर भी
उसे पीड़ित करना
सही नहीं गलत है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कई बार हम
अपनों के लिये
सपनों का बलिदान कर देते हैं,
पर
इससे फायदा यह है कि
हमारे अपने
अपने बनकर रहते हैं ;
पराये नहीं होते...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कुछ चीज़ों के पीछे
आप भागते हैं
और
कुछ चीज़ें
आपके पीछे भागती हैं,
अगर आप
भागना बंद करके
पीछे आ रही चीज़ को
ग्रहण करते हैं;
तो सुख-शांति
दोनों आपके पास होंगी...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

सफल नेता बनना है
तो जीत का श्रेय
साथियों को दें
और
हार का श्रेय
स्वयं को दें...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी को भी डाँटिये नहीं
बल्कि
खुशियाँ बाँटिये,
डाँट
तोड़ने का काम करती है
और
खुशियाँ जोड़ने का...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जिन्हें
लोग पसंद नहीं करते,
उन्हें
आप भी पसंद मत करना ;
वरना
लोग आपको
पसंद करना बंद कर देंगे ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जब आप
अकेलापन महसूस करें,
तो परायों से
कोई भी सलाह न लें,
वरना
अपनों को पराया होने में
समय नहीं लगेगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपके अच्छे कामों पर
अगर कोई हसे,
तो आप
न तो घबराइये
न ही ज़वाब दीजिये ;
समय ही
आपकी तरफ से उत्तर देगा ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

लोग कहते हैं
नियम तोड़ने में मज़ा आता है,
अथवा
नियम
तोड़ने के लिये ही बनाये जाते हैं,
मगर मेरा सोचना है –
नियम तोड़ना
उन्हें ही पसंद है,
जिन्हें अव्यवस्था पसंद है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपसे
जितनी आशा की जाती है
आप उससे भी अधिक
सफल होकर दिखाइये,
ये नसीहत उनके लिये है
जिन्हें बड़ा आदमी बनना है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आदर्श शब्द
है तो छोटा सा,
पर
आदर्श बनना
बहुत बड़ी बात है
और
उस आदर्शता को बनाये रखना ;
और भी बड़ी बात है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अपने मित्र को क्रोध दिलायें
फिर उसके प्रति–उत्तर को
उसकी प्रतिक्रिया को
ध्यान से सुनें,
मित्र को मापने का
ये सबसे सुंदर पैमाना है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

खोटे लोगों की बातें
न ही सुनें
न ही गुनें,
क्या पता?
कौन सी बात घर कर जाये
और
आपका जीवन उजड़ जाये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अगर आप
एक महान व्यक्तित्व
बनना चाहते हैं,
तो अपने अंदर
खुशी और गम को
न ज़ाहिर करने की
कला उत्पन्न कीजिये ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अनुचित कार्यों से
सफलता नहीं मिलती,
सफलता तभी मिलती है
जब हम उचित कार्यों को
उचित समय पर करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आप अपने घर को
जितना स्वच्छ
और सुंदर रखते हैं,
उससे भी कई गुना
स्वच्छ और सुंदर
अपने दिल को रखिये,
क्योंकि
उसमें आपके अपने रहते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपका भविष्य
आपके पुरुषार्थ
और
योग्यता पर
निर्भर करता है,
जिसने इन दोनों का
सुधार कर लिया,
समझिये
उसने अपना भविष्य सुधार लिया...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

सीखने की
न तो कोई उम्र है
न ही कोई समय है,
आप चाहें तो
जीवन के प्रत्येक समय में
कुछ नया
अवश्य सीख सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जैसा व्यवहार
आप ग्राहकों से करते हैं,
वैसा ही अगर
कर्मचारियों से भी हो जाये
तो दिन-दोगनी
रात-चौगुनी तरक्की हो जाये..

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

ईर्ष्या और घमण्ड के आते ही
क्रोध और बैर बढ़ जाते हैं,
ईर्ष्या और घमण्ड को घटाइये
क्रोध और बैर
अपने आप घट जायेंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अक्सर आप
अच्छे लोगों की श्रेणी में आते हैं
तो अपने व्यक्तित्व को
और भी अच्छा बनाइये,
मैं सोचता हूँ -
अच्छे लोगों को
और भी अच्छा होने का
प्रयास करते रहना चाहिये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जब आपका तज़ुरबा बढ़ेगा
तभी आपकी सोच का दायरा
और ज्ञान बढ़ पायेगा,
बिना तज़ुरबे के
सोच और ज्ञान को
कच्चे मटके की तरह समझो...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जो साहित्य
आपको प्रेरणा देता हो
जिसे पढ़ने में
आपकी रुचि हो,
उसे मरते दम तक न छोड़ें,
क्योंकि
किताबों से अच्छा मित्र
मुझे तो आज तक नहीं मिला...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अकसर आप लोग
अपने बच्चों को
वो सब सिखाते हैं
जो आपने सीखा है,
आपको उन्हें
वह भी सिखाना चाहिये
जो आप नहीं सीख पाये हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

यदि
अपने बच्चों की गलतियाँ
आप नहीं सुधारेंगे
तो उसे समाज सुधारेगी,
वे गलतियाँ
सुधारें या न सुधारें
पर आपकी
इज़्ज़त अवश्य बिगड़ जायेगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कुछ लोग
दूसरों को
शिक्षित करने की प्रेरणा में
स्वयं के द्वारा प्राप्त शिक्षा को
धूमिल कर लेते हैं
और
वे स्व-पर को
परेशान करते रहते हैं,
इसीलिये
प्रेरणा तो दें ;
परन्तु
पेरे नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

दिन में दस मिनट
अपने लिये भी निकालिये,
उन दस मिनटों में
कभी कुछ ऐसा पढ़िये
जिससे चिंतन का विस्तार हो सके
या फिर
यह सोचिये कि –
संसार के विस्तार को
कैसे रोका जाये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अपनी सोच
और
अपने चारित्र को विकसित कीजिये,
अगर
ये दो चीज़ें
विकसित हो गईं,
तो आपके आत्म-विकास को
कोई रोक नहीं पायेगा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कई लोगों की
बेफिजूल की बातें,
और हरकतों से
आप परेशान हो जाते हैं,
फिर भी आप शांत रहें;
क्योंकि
ऐसे लोगों से बोलना
समय की बर्बादी ही है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

सुधार की सलाह
उन्हें ही दी जाती है
जो सुधरना चाहते हैं,
जो सुधरना नहीं चाहते
उनकी तो
उपेक्षा करना ही ठीक है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

शब्द
मुख में रखी
शक्कर के समान होते हैं,
वो
थोड़े ही समय में
गायब तो हो जाते हैं;
परन्तु
उनका असर
लंबे समय तक रहता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जो काम आप
सपने में भी नहीं कर सकते हैं,
वो सारे काम
राग आपसे
जाग्रत अवस्था में भी करवा देता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

भावुक लोग
भावुकता के कारण
अपने को
और
दूसरों को
विघ्न डाल देते हैं,
इसलिये
जितनी दूरियाँ
आप अग्नि से रखते हैं ;
उतनी ही दूरियाँ
भावुक लोगों से बनाइये ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

समस्या को भी
ऐसे नज़रिये से देखिये,
कि वो सीखने का
ज़रिया बन जाये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जीवन में
नैतिकता का ज्ञान
बहुत आवश्यक है,
स्वयं जीना
और
दूसरों को भी जीने देना ;
ये हम
नैतिकता से ही सीखते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अक्षर आपके वचन
सत्य होने पर भी
तर्क संगत नहीं हैं,
तो आप इन्हें
सत्य साबित
नहीं कर सकते हैं,
इसीलिये
वचनों को
सत्य के साथ-साथ
तर्कसंगत भी बनाइये ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जीवन में
उतार–चढ़ाव
और
धूप–छाँव के दिन
आते ही रहते हैं,
परन्तु
जीवन वो ही लोग जी पाते हैं
जो इन दिनों को भी
समता से जीते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

दुनिया में
जो कुछ भी दिख रहा है,
उसे हर कोई
अपने व्यक्तिगत नज़रिये से देखता है,
किसी को
अंडे में भोजन दिखता है,
तो किसी को
अंडे में अपना बच्चा ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपके मुख से जो भी निकले
उसे बहुत सोच-समझकर ही
निकालना चाहिये,
क्योंकि
बोलना तो सरल है
लेकिन
बोलने से
बिगड़ी परिस्थितियों को संभालना
अत्यंत कठिन है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अपने कदमों को
बड़ा ही सोच-समझकर आगे बढ़ायें,
क्योंकि
एक गलत कदम
आपकी दिशा
और दशा को
बिगाड़ सकता है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी भी काम को
करने से पहले
अपने दिमाग में
उसकी रूपरेखा बनाना
बहुत ही आवश्यक है,
रूपरेखा के बिना
आप काम को
प्रारम्भ तो कर सकते हैं,
परन्तु
सफल समाप्ति नहीं कर सकते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

एक एक समय की चंचलता
आपके भविष्य के लिये
हानिकारक है,
चंचलता के समय
आप मात्र स्वयं को देखते हैं ;
दूसरों को नहीं,
लेकिन दूसरे
मात्र आपको ही देखते हैं,
इसीलिये
चंचलता को छोड़िये
गंभीरता को जोड़िये ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

निंदा से
मित्र भी शत्रु हो जाते हैं
और
प्रशंसा से
शत्रु भी मित्र हो जाते हैं,
अगर आप
थोड़े भी समझदार हैं
तो निंदा नहीं
प्रशंसा करना सीखिये...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जो दूसरों की
खिल्ली उड़ाते हैं,
वक्त उनकी
खिल्ली उड़ाता है,
जो दूसरों का अच्छा करते हैं
उन्हीं का अच्छा वक्त आता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जिनका सोच
उल्टा चलता है,
उन लोगों को
अच्छी बातें भी बुरी ही लगती हैं,
उनसे आप
कितना ही अच्छा कहिये
पर वे उनका
गलत मतलब ही निकालते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

उत्साह, आनंद, जोश, संतुष्टि
और
आशा
आपकी सफलता के लिये
मित्र हैं ;
चिंता, क्रोध, ईर्ष्या, भय
और
निराशा
आपकी सफलता के लिये शत्रु हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

काम बिगड़ने पर
चिड़चिड़ाइये मत
धीरज धारण करिये,
क्योंकि
धीरज धारण करने से
बिगड़े काम बन जाते हैं
और
चिड़-चिड़ करने से
बने काम भी बिगड़ जाते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

धोखे से बिगड़े कामों को
जान–बूझकर सुधारिये,
क्योंकि
बिगड़े काम
धोखे से नहीं सुधरते
उन्हें सुधारने के लिये
युक्ति की आवश्यकता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपकी भावनाओं
और
आपके जीवन में होनेवाली घटनाओं के बीच में
अटूट संबंध है,
जैसी आप भावना भाते हैं
घटनायें भी कुछ
वैसी ही घटती हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जीवन की किताब में
कुछ खास नहीं है,
उसके के पन्नों में भी
कुछ खास नहीं है,
पन्नों में लिखी लाइनों में भी
कुछ खास नहीं है,
लाइनों में लिखे शब्दों में भी
कुछ खास नहीं है,
शब्दों में छिपे जो भाव हैं
वो कुछ खास हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

पहले के ज़माने में
जो सत्य होता था,
वो ही विजयी होता था,
परन्तु
अब ज़माना बदल गया है,
अब जो विजयी होता है
वो ही सत्य माना जाता है ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

हड्डियाँ न होने पर भी
जो बार–बार टूटता है
वह है आपका दिल
और
न दिखने पर भी
जो आपको वश में करता है
वह है आपका मन ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

जैसे बसंत का मौसम
सारे वृक्षों को
सारी कलियों को खिला देता है
हरा-भरा कर देता है,
वैसे ही
प्रसन्नता
आपके जीवन को
हरा-भरा कर देती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अपनी खुशी और दुःख में
सबसे ज़्यादा सहायक
सबस ज़्यादा बाधक
आप ही हैं ;
इसीलिये
स्वयं की खुशी में
सहायक बनें बाधक नहीं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपकी खुशी
आपके विचारों पर निर्भर करती है,
इसीलिये
खुशहाल जीवन के लिये
अच्छे विचार बहुत आवश्यक हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

कई लोग
जिज्ञासा पूरी न होने पर
कुपित हो जाते हैं
और
अपने खुशहाल जीवन को
दुःखमय कर लेते हैं,
इसीलिये ध्यान रखिये
आपके जीवन में
खुशियाँ महत्त्वपूर्ण हैं
जिज्ञासा का समाधान नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

हर पल को
खुश होकर बिताना चाहिये
संतुष्ट होकर नहीं,
क्योंकि
जीवन में
खुशी जरूरी हैं
संतुष्टि नहीं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आपके पास जो कुछ भी है
उसी में खुश रहें,
यह मत सोचिये -
आपके पास क्या-क्या नहीं है?
यह सोचिये -
आपके पास क्या-क्या है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी की भी तारीफ करने में
कंजूसी न बर्तें,
तारीफ करने से
आपका कुछ जाता नहीं ;
अपितु
आपकी उदारता बढ़ती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

कर्तव्य

जिसने
ज्ञान को
आचरण में उतार लिया है
वही है ज्ञानी,
आचरण हीन मनुष्य
ज्ञानी होकर भी अज्ञानी है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी भी व्यक्ति को
समझने के लिये
उसके आचरण
और भोजन को
अच्छे से देखिये,
सही आचरण
और
सही भोजन
सही आदमी के ही होते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किये गये सम्मान से
हमें इंसान की
उदारता का पता चलता है
और
किये गये अपमान से
हमें इंसान की
चालाकी का पता चलता...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आत्मसम्मान खोकर जीवन जीना
मौत से भी बुरा है,
इसीलिये
आत्मसम्मान की रक्षा कीजिये
उसके बिना
आप ज़िंदा रहकर भी
मुर्दे के समान हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

इज़्ज़तदार लोग
मुफत में कुछ भी नहीं लेते,
भले ही कम हो
परन्तु वे अपनी
मेहनत का ही ग्रहण करते हैं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

यहाँ फुरसत नहीं
इंसान को
इंसान से मिलने की,
और
सपने देखता है इंसान
दूर बैठे भगवान से मिलने की...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

मैं
मुसीबतों में नहीं हारा,
मुसीबतों में जब
अपनों ने हाथ छोड़ा
तब मैं हारा...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

हम सरल थे
वो समझ गये,
वो चालाक थे
हम लुट गये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

अहं होगा
तो अपनों का साथ छूट जायेगा,
वहम होगा
तो अपने साथ छोड़ देंगे...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आँसू देख उनके
मन कह उठा
भाई इस बार मत फिसलना...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

किसी की भी शक्ति को
सामान्य न समझे,
एक छोटी सी चिंगारी भी
सारे जंगल को जला देती है...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
कर्तव्य

आवश्यकता से अधिक
जो कुछ भी है
तुम्हारे पास,
वो सब जहर के समान है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर